



### ***Boost to bullet***

The construction of the Boisar Bullet Train station has reached a significant milestone with the successful casting of the first slab measuring nearly 40mt in width and 37mt in length. This marks the beginning of the station's foundational work, with a total of nine such slabs planned to form the base for track laying.

## **BULLET TRAIN**

# Casting work for 1st rail-level slab at Boisar station done

---

### **EXPRESS NEWS SERVICE**

MUMBAI, JUNE 17

---

CASTING WORK for the first rail-level slab of the upcoming Boisar station under the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project was fully completed on Tuesday. The 40-metre by 37-metre slab was built using over 1,070 cubic metres of concrete and will act as the track-laying base for bullet trains.

Boisar station, which is one of the main stops on the high-speed rail corridor, will have a total of nine such slabs at the rail level. Upon completion, the two-level station – with a concourse and a rail level – will be 425 metres long. The station will have a total built-up area of around 17,000 square metres, including 6,000 square metres at the concourse level.

According to officials at the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), the work on Boisar station will include the use of approximately 8,000 metric tonnes of steel and 42,000 cubic metres of concrete.

Once commissioned, the station is likely to boost connectivity to important areas like the proposed Vadhavan Port (23 km away), Boisar and Tarapur industrial areas, Tarapur Atomic Power Station, and some tourist hotspots like Kelwa Beach, Dahanu, Bordi and Hirapada waterfalls.

“Boisar will have a vital role to play in the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail corridor, facilitating regional connectivity and economic growth. The architectural design of the station is based on the traditional fishing nets employed by Konkani fishermen, honouring the maritime heritage of the region,” said an NHSRCL official.

Passenger facilities at the station will include paid and unpaid lounges, waiting areas, smoking areas, first aid facilities, toilets, drinking water facilities and retail outlets. Lifts and escalators will also be there to facilitate smooth movement between floors.

---

## Mumbai-Ahmedabad bullet train: Casting of first rail-level slab at Boisar station complete



**Boisar station will have a  
total of nine such slabs.**

*Mumbai:* Casting work for the first rail-level slab of the upcoming Boisar station under the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project was completed on Tuesday. The 40-metre by 37-metre slab was built using over 1,070 cubic metres of concrete and will act as the track-laying base for bullet trains.

Boisar station will have a total of nine such slabs at the rail level. "Boisar will have a vital role to play in the High-Speed Rail corridor, facilitating regional connectivity and economic growth," said an National High-Speed Rail Corporation Limited official. **ENS**

स्टेशन की लंबाई 425 मीटर होगी

# बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए पहला रेल लेवल स्लैब कास्टिंग कार्य पूरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

सूरत.मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर निर्माणाधीन बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए पहले रेल लेवल स्लैब की कास्टिंग पूरी कर ली गई है। यह स्लैब लगभग 40 मीटर चौड़ा और 37 मीटर लंबा है। इसके निर्माण में 1070 घन मीटर कंक्रीट का उपयोग किया गया है।

इस स्तर पर 9 स्लैब होंगे जो स्टेशन पर ट्रैक बिछाने के काम के लिए आधार बनेंगे। स्टेशन के दो स्तर होंगे अर्थात् कॉन्कोर्स और रेल। स्टेशन की लंबाई 425 मीटर होगी।



नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया कि बोइसर स्टेशन के लिए लगभग 8000 मीट्रिक टन स्टील और 42,000 घन

मीटर कंक्रीट का उपयोग किया जाएगा, जो कॉन्कोर्स स्तर पर 6000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में होगा।

कुल स्टेशन क्षेत्र लगभग 17,000 वर्ग मीटर में होगा। बोइसर



बुलेट ट्रेन स्टेशन के अग्रभाग का डिजाइन, इस क्षेत्र में कोंकणी मछुआरों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मछली पकड़ने के जाल से प्रेरित है। संचालन शुरू होने पर, यह

स्टेशन शीघ्र ही निर्मित होने वाले वाधवन बंदरगाह, जो कि 23 किमी पर स्थित है, बोइसर और तारापुर औद्योगिक क्षेत्र, तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन तथा चिचानी बीच,

नंदगांव बीच, शिरगांव बीच, केलवा बीच, दहानू और बोर्डी बीच, हीरादपाड़ा, और कलमनदेवी झरना आदि सहित विभिन्न लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों से कनेक्टिविटी में सुधार करेगा।

बुलेट ट्रेन स्टेशन दो मंजिला स्टेशन भवन होगा। इसमें लाउंज, प्रतीक्षालय (भुगतान और निशुल्क क्षेत्र दोनों), धूम्रपान कक्ष, प्राथमिक चिकित्सा, शौचालय और पेयजल सुविधाएं, स्तर परिवर्तन के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर, और कॉन्कोर्स स्तर पर भुगतान और निशुल्क क्षेत्र में दुकानें होंगी।

40 मीटर चौड़ा और 37 मीटर लंबा

# बोर्डसर बुलेट ट्रेन स्टेशन के पहले रेल लेवल स्लैब कार्स्टिंग का कार्य पूरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत महाराष्ट्र के बोर्डसर में बुलेट ट्रेन के निर्माणाधीन स्टेशन के लिए पहले रेल लेवल स्लैब कार्स्टिंग का कार्य पूरा किया गया।

यह स्लैब लगभग 40 मीटर चौड़ा और 37 मीटर लंबा है। इसके निर्माण में 1070 घन मीटर कंक्रीट का उपयोग किया गया है। इस स्तर पर 9 स्लैब होंगे जो स्टेशन पर ट्रेक बिछाने के काम के लिए आधार बनेंगे। स्टेशन के



दो स्तर - कॉन्कोर्स और रेल होंगे। स्टेशन की लंबाई 425 मीटर होगी। बोर्डसर स्टेशन के लिए लगभग 8000

मीट्रिक टन स्टील और 42,000 घन मीटर कंक्रीट का उपयोग किया जाएगा। जो कॉन्कोर्स स्तर पर 6000

## स्टेशन पर ये सुविधाएं

दो मंजिला स्टेशन भवन में लाउंज, प्रतीक्षालय (भुगतान और निःशुल्क क्षेत्र दोनों), धूम्रपान कक्ष, प्राथमिक चिकित्सा, शौचालय और पेयजल सुविधाएं, स्तर परिवर्तन के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर, और कॉन्कोर्स स्तर पर भुगतान और निःशुल्क क्षेत्र में दुकानें होंगी।

वर्ग मीटर के क्षेत्र में होगा। कुल स्टेशन क्षेत्र लगभग 17,000 वर्ग मीटर में होगा।

## डिजाइन कोंकणी मछुआरों के मछली पकड़ने के जाल से प्रेरित

बोर्डसर बुलेट ट्रेन स्टेशन के अग्रभाग का डिजाइन, इस क्षेत्र में कोंकणी मछुआरों की ओर से उपयोग किए जाने वाले मछली पकड़ने के जाल से प्रेरित है। संचालन शुरू होने पर यह स्टेशन शीघ्र ही निर्मित होने वाले वाधवन बंदरगाह (23 कि.मी.), बोर्डसर और तारापुर औद्योगिक

क्षेत्र, तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन, तथा चिचानी बीच, नंदगांव बीच, शिरगांव बीच, केलवा बीच, दहानू और बोर्डी बीच, हीरादपाड़ा, और कलमनदेवी झरना सहित विभिन्न लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों से कनेक्टिविटी में सुधार करेगा।

# बुलेट ट्रेन स्टेशन ले रक्षा आकार

## बोईसर स्टेशन पर अब कंप्लीट हुआ पहले स्लैब की कास्टिंग

■ मुंबई (सं). महाराष्ट्र में भी बुलेट ट्रेन के काम ने गति पकड़ ली है. अब स्टेशनों का काम भी दिखने लगा है. अगर बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशन की बात करें, तो वहां पहले स्लैब की कास्टिंग पूरी कर ली गई है. यह स्लैब लगभग 40 मीटर चौड़ा और 37 मीटर लंबा है, जिसके निर्माण में 1070 घन मीटर कंक्रीट का उपयोग किया गया है. इस स्तर पर 9 स्लैब होंगे, जो स्टेशन पर ट्रैक बिछाने के काम के लिए आधार बनेंगे. स्टेशन के दो स्तर होंगे अर्थात कॉन्कोर्स और रेल स्टेशन की लंबाई 425 मीटर होगी.

मछुआरों को दर्शाएगी स्टेशन की छटा : बोईसर स्टेशन के लिए लगभग 8000 मीट्रिक टन स्टील और 42,000 घन मीटर कंक्रीट का उपयोग किया जाएगा, जो कॉन्कोर्स स्तर पर 6000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में होगा. कुल स्टेशन क्षेत्र लगभग 17,000 वर्ग मीटर में होगा. बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशन के अग्रभाग का डिजाइन, इस क्षेत्र में कोंकणी मछुआरों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मछली पकड़ने के जाल से प्रेरित है.



- बोईसर स्टेशन - पहला रेल लेवल स्लैब कास्टिंग
- चौड़ाई - 40 मीटर
- लंबाई - 37 मीटर
- कंक्रीट का उपयोग- 1070 घन मीटर

- कॉन्कोर्स फ्लोर पर होगी यह सुविधा
- सिक्वोरिटी चेक
- टिकट काउंटर
- वेटिंग एरिया, रेस्ट रूम
- नर्सरी, कस्टमर केयर
- बिज़नेस लाउंज, दूकान और फर्स्ट ऐड सेंटर

### कनेक्टिविटी में लाएगा सुधार

संचालन शुरू होने पर यह स्टेशन शीघ्र ही निर्मित होने वाले वाधवन बंदरगाह (23 कि.मी.), बोईसर और तारापुर औद्योगिक क्षेत्र, तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन, तथा चिचानी बीच, नंदगांव बीच, शिरगांव बीच, केलवा बीच, दहानू और बोर्डों बीच, हीरादपाड़ा, और कलमनदेवी झरना आदि सहित विभिन्न लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों से कनेक्टिविटी में सुधार करेगा.

### होंगी कई सुविधाएं

दो मंजिला स्टेशन बिल्डिंग में लाउंज, प्रतीक्षालय (भुगतान और निःशुल्क क्षेत्र दोनों), धूम्रपान कक्ष, प्राथमिक चिकित्सा, शौचालय और पेयजल सुविधा, स्तर परिवर्तन के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर और कॉन्कोर्स स्तर पर भुगतान और निःशुल्क क्षेत्र में दुकानें होंगी.



महाराष्ट्र में भी बुलेट ट्रेन के काम ने रफ्तार पकड़ ली है. अब स्टेशन का

स्ट्रक्चर भी दिखने लगा है. राज्य में कुल 4 स्टेशन हैं. स्टेशन की कला और प्रवेश द्वार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे. स्थानीय लोगों के साथ जुड़ाव होगा और भारत की पहली हाई-स्पीड प्रणाली के स्वामित्व की भावना को बढ़ावा मिलेगा.

-विवेक कुमार गुप्त, प्रबंध निदेशक, एनएचएसआरसीएल

Bullet train station work accelerates

# बुलेट ट्रेन स्थानकाच्या कामाला गती

मुंबई, ता. १७ : निर्माणाधीन मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील बोईसर स्थानकाच्या बांधकामात एक महत्त्वाचा टप्पा पूर्ण झाला आहे. स्थानकासाठी पहिल्या रेल्वे लेव्हल स्लॅबचे यशस्वी काँक्रीटीकरण नुकतेच पूर्ण झाले आहे.

बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानकाचा हा स्लॅब सुमारे ४० मीटर रुंद आणि ३७ मीटर लांब असून, त्यासाठी १,०७० घनमीटरहून अधिक काँक्रीटचा वापर करण्यात आला आहे. अशाप्रकारे एकूण नऊ स्लॅब्स रेल्वे स्तरावर तयार करण्यात येणार आहेत. त्यामुळे पुढील ट्रॅक लावण्याच्या कामाला वेग येणार आहे. बोईसर स्थानक दोन स्तरांचे असणार असून, त्यामध्ये कॉन्कोर्स स्तर आणि रेल्वे स्तराचा समावेश आहे. संपूर्ण स्थानकाची लांबी ४२५ मीटर असेल.



**मुंबई :** बुलेट ट्रेन स्थानकाचे काम प्रगतिपथावर आहे.

## स्थानकातील सुविधा

दोनमजली या स्थानकात कॉन्कोर्स स्तरावर पेमेंट आणि नॉन-पेमेंट क्षेत्रात लाउंज, प्रतीक्षा कक्ष, स्मोकिंग रूम, प्रथमोपचार सुविधा, स्वच्छतागृहे आणि पिण्याच्या पाण्याची व्यवस्था असेल. पातळी बदलासाठी लिफ्ट्स आणि एस्केलेटर्स तसेच दोन्ही क्षेत्रांमध्ये दुकाने उपलब्ध असतील.

## Work on Boisar station of bullet train accelerates

स्लॅबचे काँक्रीटीकरण पूर्ण

# बुलेट ट्रेनच्या बोईसर स्थानकाच्या कामाला गती

### सकाळ वृत्तसेवा

मुंबई, ता. १७ : निर्माणाधीन मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील बोईसर स्थानकाच्या बांधकामात एक महत्त्वाचा टप्पा पूर्ण झाला आहे. स्थानकासाठी पहिल्या रेल्वे लेव्हल स्लॅबचे यशस्वी काँक्रीटीकरण नुकतेच पूर्ण झाले आहे.

बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानकाचा हा स्लॅब सुमारे ४० मीटर रुंद आणि ३७ मीटर लांब असून, त्यासाठी १,०७० घनमीटरहून अधिक काँक्रीटचा वापर करण्यात आला आहे. अशाप्रकारे एकूण नऊ स्लॅब्स रेल्वे स्तरावर तयार करण्यात



मुंबई : बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या लेव्हल स्लॅबचे काँक्रीटीकरण करण्यात आले.

येणार आहेत. त्यामुळे पुढील ट्रॅक लावण्याच्या कामाला वेग येणार आहे. बोईसर स्थानक दोन स्तरांचे असणार असून, त्यामध्ये कॉन्कोर्स स्तर आणि रेल्वे स्तराचा समावेश

आहे. संपूर्ण स्थानकाची लांबी ४२५ मीटर असणार आहे.

यासाठी सुमारे ८,००० मेट्रिक टन स्टील व ४२,००० घनमीटर काँक्रीट वापरण्यात येणार आहे.

### स्थानकातील सुविधा

१ दोनमजली या स्थानकात कॉन्कोर्स स्तरावर पेमेंट आणि नॉन-पेमेंट क्षेत्रात लाउंज, प्रतीक्षा कक्ष, स्मोकिंग रूम, प्रथमोपचार

२ सुविधा, स्वच्छतागृहे आणि पिण्याच्या पाण्याची व्यवस्था असेल. पातळी बदलासाठी लिफ्ट्स आणि एस्केलेटर्स तसेच दोन्ही क्षेत्रांमध्ये दुकाने उपलब्ध असतील.

फक्त कॉन्कोर्स स्तरावरील क्षेत्रफळ ६,००० चौरस मीटर असणार असून, संपूर्ण स्थानकाचे एकूण क्षेत्रफळ सुमारे १७,००० चौरस मीटर असेल.

बोईसर स्थानकाच्या इमारतीच्या दर्शनी भागाची रचना कोकणात वापरण्यात येणाऱ्या पारंपरिक मासेमारी जाळ्यांपासून प्रेरणा घेऊन तयार करण्यात आली आहे.

बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानक सुरु झाल्यानंतर ते आगामी वाढवण बंदर (२३ किमी), बोईसर व तारापूर औद्योगिक क्षेत्र, तारापूर अणुऊर्जा केंद्र तसेच चिकणी, नंदगाव, शिरगाव, केळवा, डहाणू आणि बोरडी या प्रसिद्ध समुद्रकिनार्यांसह हिरडपाडा व कालामदेवी धबधब्यांसारख्या पर्यटनस्थळांना उत्कृष्ट दळणवळण प्रदान करेल.

First slab of Boisar bullet station completed

# बोईसर बुलेट स्थानकाचा पहिला स्लॅब पूर्ण

बोईसरमध्ये आधुनिक सुविधांसह स्थानकाची जलद उभारणी

म. टा. खास प्रतिनिधी, मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गावरील राज्यातील स्थानक उभारणीचे काम वेगाने पूर्ण होत आहे. बोईसर बुलेट स्थानकातील पहिला स्लॅब तयार झाला आहे. एकूण ९ स्लॅब उभारल्यानंतर बुलेट ट्रेनच्या मार्गाकांची उभारणी होणार आहे. मासेमारीच्या जाळ्याच्या संकल्पनेवर आधारित बोईसर बुलेट स्थानकाची रूपरेषा निश्चित करण्यात आली आहे. राज्यात सद्यस्थितीत वांद्रे-कुर्ला संकुल (बीकेसी) आणि विरार बुलेट स्थानकाची कामे सुरू आहेत.

## पर्यटनालाही चालना

बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानकापासून बोईसर व तारापूर औद्योगिक क्षेत्र, तारापूर अणुऊर्जा केंद्र तसेच चिकणी,



## पहिल्या पूर्ण स्लॅबची वैशिष्ट्ये

- रुंदी : ४० मीटर
- लांबी : ३७ मीटर
- कॉंक्रीट : १०७० घनमीटर
- कॉंक्रीटचा वापर
- एकूण स्लॅब : ९

## बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानकाला जोडणी

- बोईसर-चिल्लर फाटा (राज्य महामार्ग) : ०.३ किलोमीटर
- बोईसर रेल्वे स्थानक : ५.४ किलोमीटर
- बोईसर एसटी स्थानक : ६ किलोमीटर
- पालघर जिल्हा मुख्यालय : १२.७ किलोमीटर
- राष्ट्रीय महामार्ग ४८ : १३.६ किलोमीटर
- वाढवण बंदर : २३ किलोमीटर

## बोईसर स्थानकाची वैशिष्ट्ये

- दुमजली स्थानक (कॉन्कोर्स आणि बुलेट ट्रेन प्लॅटफॉर्म)
- स्थानकाची लांबी : ४२५ मीटर
- स्टील : ८ हजार मेट्रिक टन
- कॉंक्रीट : ४२००० घनमीटर
- कॉन्कोर्सचे क्षेत्रफळ : ६,००० चौरस मीटर
- स्थानकाचे क्षेत्रफळ : १७,००० चौरस मीटर

नंदगाव, शिरगाव, केळवा, दहाणू आणि बोरडी अशी समुद्रकिनारे आहेत. हिरडपाडा व कालामदेवी धबधबे देखील प्रसिद्ध आहेत. यामुळे

बुलेट स्थानक सुरू झाल्यानंतर पर्यटनालाही चालना मिळणार आहे. स्थानकातील सुविधा दुमजली स्थानकात कॉन्कोर्स

परिसरात मोफत आणि सशुल्क लाऊंज, प्रतीक्षालय, स्मोकिंग रूम, प्रथमोपचार केंद्र, स्वच्छतागृहे आणि पिण्याच्या पाण्याची व्यवस्था असेल.

बुलेट ट्रेन प्लॅटफॉर्मवर जाण्यासाठी सरकते जिने आणि लिफ्ट उपलब्ध आहेत. दोन्ही क्षेत्रांमध्ये किरकोळ विक्री दुकाने नियोजनात आहेत.

Bullet train work is progressing at a fast pace, work to connect the east-west of the city is stalled

# दिव्यात पुलाची कासवगती!

## बुलेट ट्रेनचे काम वेगात सुरू; शहर पूर्व-पश्चिम जोडण्याचे काम रखडलेले

श्रीकांत सावंत

Shrikant.sawant@timesofindia.com

**ठाणे :** मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे काम गेल्या दोन ते अडीच वर्षांमध्ये प्रचंड वेगाने पुढे केले जात असून दिवा परिसरात 'बुलेट'चे ठाणे स्थानक उभे राहत आहे. दुसरीकडे ठाणे महापालिकेकडून उभारण्यात येणाऱ्या रेल्वे फाटकावरील उड्डाणपुलाचे काम मात्र आठ वर्षांपासून कासवगतीने सुरू आहे. दोन राज्य जोडणारा प्रकल्प सुपरफास्ट वेगाने पूर्ण होत असताना ठाणे महापालिकेकडून दिवा शहराला पूर्व-पश्चिम जोडणारा पूल रखडल्याबद्दल दिव्यातील रहिवाशांकडून संताप व्यक्त होत आहे.

मुंबई-अहमदाबाद दरम्यान देशातील सर्वात वेगवान हायस्पीड रेल्वेची उभारणी केली जात असून अवघ्या दोन तासांमध्ये दोन्ही राज्यांतील अंतर पूर्ण करता येणार आहे. राष्ट्रीय हायस्पीड रेल्वे प्राधिकरणाकडून भूसंपादन प्रक्रिया पूर्ण करून या मार्गाची उभारणी वेगात सुरू करण्यात आली असून ठाणे जिल्ह्यातील एकमेव स्थानक दिव्यातील म्हातडी परिसरात उभे

**मन विशेष**  
गणेश जाधव

आठ वर्षांपासून उड्डाणपुलाचे काम सुरू

भूसंपादन प्रक्रियेमुळे काम रखडले

रोज वाहतूक कोंडीचा त्रास



प्रलंबित पूल



बुलेट ट्रेन स्थानक

### बेकायदा इमारती पुन्हा उभ्या

दिवा आरओबी अडथळा ठरणाऱ्या इमारती तोडण्यासाठी महापालिकेने धडक मोहीम हाती घेत दिवाळीच्या तोंडावर येथील रहिवाशांना पर्यायी ठिकाणी हलवून येथील इमारती तोडल्या होत्या. त्यामुळे पूर्वेकडील आरओबीचा अडथळा दूर झाला होता. गेल्या दोन वर्षांमध्ये येथे कोणत्याही प्रकारचे काम होत नसल्यामुळे आता याच भागात नव्याने बेकायदा इमारती उभ्या राहू लागल्याचा दावा स्थानिकांकडून केला जात आहे. याविषयी दिव्यातील रहिवाशांकडून संताप व्यक्त होत आहे.

राहत आहे. ठाणे महापालिकेकडून या प्रकल्पासाठी आवश्यक सहाय्य करत असून अत्यंत वेगाने हा प्रकल्प

उभारणी होत असताना दुसरीकडे शहरातील दिवा पूर्व आणि पश्चिमेकडे जाण्यासाठी उभारण्यात येणाऱ्या रेल्वे

### उड्डाणपुलाअभावी कोंडीत भर

दिवा-पूर्व पश्चिम जोडण्यासाठी आरओबी नसल्यामुळे फाटकावर वाहनांची प्रचंड कोंडी होत असून त्याचा फटका दिवा स्टेशनरोडवरील वाहतुकीला होत आहे. रिक्षा स्टॅंड, फेरीवाल्यांची गदीं यामुळे या भागातील वाहतूक कोंडीत अधिकच भर पडत आहे. रस्ता रुंदीकरण होऊनही पुलाचे काम सुरू असल्याने कोंडीत अधिकच भर पडत असल्याचे प्रवाशांना त्रास होत असल्याचे 'जागा हो दिवेकर' संघटनेचे म्हणणे आहे.

स्थानकातील रेल्वे उड्डाणपूल (आरओबी) आठ वर्षांपासून रडतखडत सुरू असल्याने दिव्यातील

नागरिकांमध्ये संतापाची लाट पसरली आहे. बुलेट ट्रेन प्रकल्पाप्रमाणेच दिवा स्थानकातील उड्डाणपुलाच्या कामाला गती देऊन पुढील वर्षभरामध्ये हे काम पूर्ण करण्याची मागणी दिव्यातील प्रवासी संघटनेकडून होत आहे.

मध्य रेल्वेच्या मुंबईपासून कल्याणपर्यंतची सर्व रेल्वे फाटक बंद झाले असून केवळ दिवा रेल्वे फाटक हे एकमेव फाटक सुरू आहे. रेल्वे प्रशासनाकडून महापालिकेच्या मदतीने रेल्वे फाटक बंद करण्यासाठी २०१७मध्ये दिवा आरओबीच्या कामाचे भूमिपूजन करून कामाला सुरुवात झाली होती. परंतु सुरुवातीपासूनच या आरओबीच्या कामांना अडथळांची शर्यत पूर्ण करावी लागत आहे. दिव्यातील आरओबीच्या पूर्वेकडील आणि रेल्वे हद्दीतील कामांना सुरू झाल्यानंतरही पश्चिमेकडेली आरओबी उतरण्याच्या मार्गांच्या कामांना अद्याप सुरुवात झालेली नाही. त्यामुळे पूर्वेकडील पुलाचे खांब दिवा स्टेशनरोडच्या वाहतुकीला अडथळा ठरत आहेत. रेल्वे हद्दीतील कामे पूर्ण झाली असली तरी दोन्ही बाजूच्या मार्गांची कामे रखडल्याने रहिवाशांना फाटक ओलांडून वाहने पूर्व-पश्चिमेकडील वाहतूक करावी लागत आहे.

First slab of Boisar bullet station completed

# बोईसर बुलेट स्थानकाचा पहिला स्लॅब पूर्ण

बोईसरमध्ये आधुनिक सुविधांसह स्थानकाची जलद उभारणी

म. टा. खास प्रतिनिधी, मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गावरील राज्यातील स्थानक उभारणीचे काम वेगाने पूर्ण होत आहे. बोईसर बुलेट स्थानकातील पहिला स्लॅब तयार झाला आहे. एकूण ९ स्लॅब उभारल्यानंतर बुलेट ट्रेनच्या मार्गाकांची उभारणी होणार आहे. मासेमारीच्या जाळ्याच्या संकल्पनेवर आधारित बोईसर बुलेट स्थानकाची रूपरेषा निश्चित करण्यात आली आहे. राज्यात सद्यस्थितीत वांद्रे-कुर्ला संकुल (बीकेसी) आणि विरार बुलेट स्थानकाची कामे सुरू आहेत.

## पर्यटनालाही चालना

बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानकापासून बोईसर व तारापूर औद्योगिक क्षेत्र, तारापूर अणुऊर्जा केंद्र तसेच चिकणी,



**मटा**  
दृष्टिक्षेप

## पहिल्या पूर्ण स्लॅबची वैशिष्ट्ये

- रुंदी : ४० मीटर
- लांबी : ३७ मीटर
- कॉंक्रीट : १०७० घनमीटर
- कॉंक्रीटचा वापर
- एकूण स्लॅब : ९

## बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानकाला जोडणी

- बोईसर-चिल्लर फाटा (राज्य महामार्ग) : ०.३ किलोमीटर
- बोईसर रेल्वे स्थानक : ५.४ किलोमीटर
- बोईसर एसटी स्थानक : ६ किलोमीटर
- पालघर जिल्हा मुख्यालय : १२.७ किलोमीटर
- राष्ट्रीय महामार्ग ४८ : १३.६ किलोमीटर
- वाढवण बंदर : २३ किलोमीटर

## बोईसर स्थानकाची वैशिष्ट्ये

- दुमजली स्थानक (कॉन्कोर्स आणि बुलेट ट्रेन प्लॅटफॉर्म)
- स्थानकाची लांबी : ४२५ मीटर
- स्टील : ८ हजार मेट्रिक टन
- कॉंक्रीट : ४२००० घनमीटर
- कॉन्कोर्सचे क्षेत्रफळ : ६,००० चौरस मीटर
- स्थानकाचे क्षेत्रफळ : १७,००० चौरस मीटर

नंदगाव, शिरगाव, केळवा, दहाणू आणि बोरडी अशी समुद्रकिनारे आहेत. हिरडपाडा व कालामदेवी धबधबे देखील प्रसिद्ध आहेत. यामुळे

बुलेट स्थानक सुरू झाल्यानंतर पर्यटनालाही चालना मिळणार आहे. स्थानकातील सुविधा दुमजली स्थानकात कॉन्कोर्स

परिसरात मोफत आणि सशुल्क लाऊंज, प्रतीक्षालय, स्मोकिंग रूम, प्रथमोपचार केंद्र, स्वच्छतागृहे आणि पिण्याच्या पाण्याची व्यवस्था असेल.

बुलेट ट्रेन प्लॅटफॉर्मवर जाण्यासाठी सरकते जिने आणि लिफ्ट उपलब्ध आहेत. दोन्ही क्षेत्रांमध्ये किरकोळ विक्री दुकाने नियोजनात आहेत.

## Concreting of the first slab of Boisar Bullet Train Station

# बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनच्या पहिल्या स्लॅबचे काँक्रीटकरण



### लोकमत न्यूज नेटवर्क

**मुंबई :** मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या बोईसर स्थानकाच्या पहिल्या रेल्वे ट्रॅकच्या स्लॅबचे काँक्रीटकरण पूर्ण झाले आहे. हा स्लॅब ४० मीटर रुंद आणि ३७ मीटर लांब असून, त्यासाठी १०७० घनमीटरहून अधिक काँक्रीट वापरण्यात आले आहे. असे एकूण नऊ स्लॅब तयार करण्यात येणार आहेत. स्लॅबचे काम पूर्ण झाल्यानंतर रूळ टाकण्यात येतील. दरम्यान, हे स्टेशन पूर्ण झाल्यावर या भागातील पर्यटन व औद्योगिकीकरणाला चालना मिळणार आहे.

नेशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनतर्फे महाराष्ट्र आणि गुजरातदरम्यान बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे

काम सुरू आहे. राज्यात बुलेट ट्रेनचे चार स्टेशन असणार आहेत. बोईसर हे दोन्ही राज्यांच्या मधले स्टेशन असणार आहे. बोईसर स्थानक दुमजली असणार असून, पहिल्या मजल्यावर कॉन्कोर्स आणि दुसऱ्या मजल्यावर स्टेशन असणार आहे. ४२५ मीटर लांबीच्या बोईसर स्टेशनच्या ट्रॅकच्या स्लॅबसाठी सुमारे आठ हजार मेट्रिक टन स्टील व ४२ हजार घनमीटर काँक्रीट वापरण्यात येणार आहे. या संपूर्ण स्थानकाचे एकूण क्षेत्रफळ सुमारे १७ हजार चौरस मीटर असून, त्यापैकी फक्त कॉन्कोर्स स्तरावरील क्षेत्रफळ सहा हजार चौरस मीटर असणार आहे. बोईसर स्थानकाच्या इमारतीच्या दर्शनी भागाची रचना कोकणातील पारंपरिक मासेमारी जाळ्यांपासून प्रेरणा घेऊन तयार केली आहे.